RAJASTHAN GEOGRAPHY

gkexams.com

Whastapp - 7665496161

Scanned by CamScanner

Syllabus :-

1. राजस्थान की उत्पत्ति
2. राजस्थान की स्थिति एवं विस्तार
3. राजस्थान के भौतिक प्रदेश
4. जलवायु
5. नदी तंत्र
6. झीलें
7. सिंचाई परियोजना
8. कृषि
9. वनस्पति
10. वन्य जीव एवं जैवविविधता
11. खनिज
12. उद्योग
13. जनसंख्या

gkexams.com

Scanned by CamScanner

(1) राजस्थान की उत्पत्ति

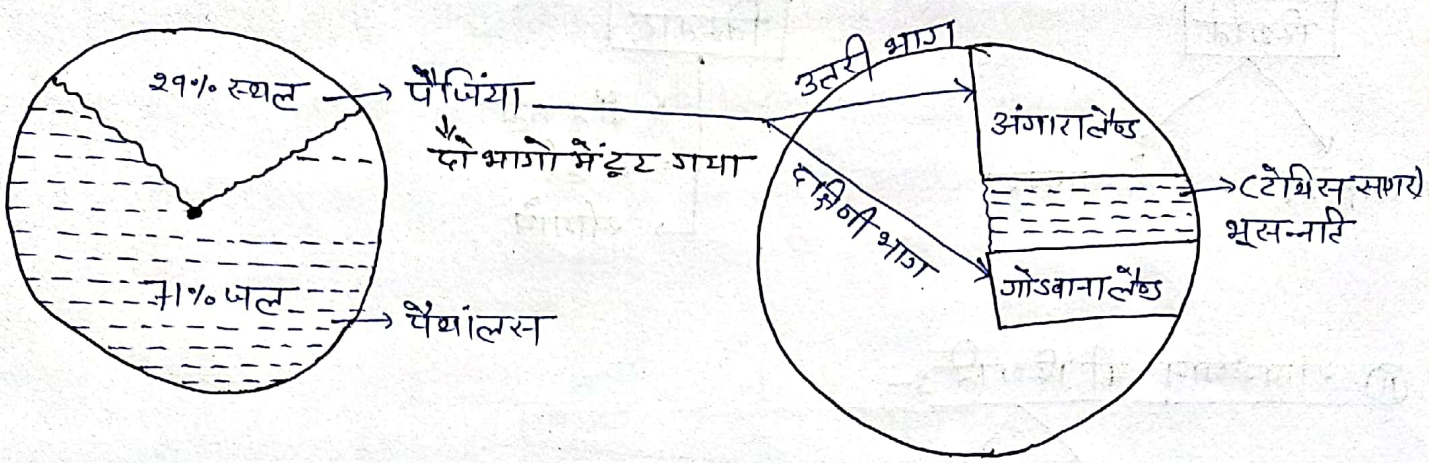

→ राजस्थान का निर्माण → GT

G = गोंडवाना लैण्ड
- (1) अरावली → प्राचीनतम
- (2) हाड़ौती

T = टेथिस सागर
- (3) मरुस्थल
- (4) मैदान → नवीनतम

पुराने से नवीनतम →

→ अरावली
→ हाड़ौती का पठार

भारत के प्रायद्वीप पठार का हिस्सा है।

→ मरुस्थल
→ मैदान

भारत के उत्तरी विशाल मैदान का हिस्सा है।

gkexams.com

Scanned by CamScanner

१. राजस्थान की स्थिती एवं विस्तार

- **स्थिति**
  - अक्षांश
  - देशान्तर
- **विस्तार**
  - क्षेत्रफल
  - आकृति
  - सीमायें

(A) राजस्थान की स्थिति :-

- अक्षांश
- देशान्तर

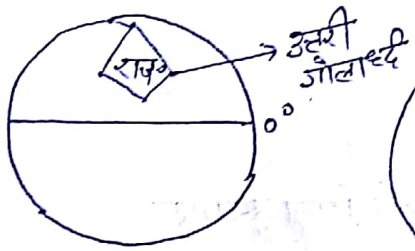

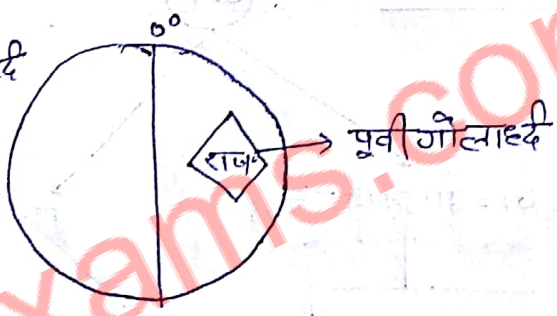

(a) राज० का अक्षांशीय विस्तार :-

→ अक्षांश :-	23°03' उत्तरी अक्षांश से	30°12' उत्तरी अक्षांश तक
→ स्थान :-	बोरकुण्डा	कोणा गाँव
→ जिला :-	बांसवाड़ा	गंगानगर
→ दूरी :-	दक्षिण ← 826 →	उत्तर

Note :- 7°09' अक्षांशों के मध्य राजस्थान में विस्तार पाया जाता है।

gkexams.com

Scanned by CamScanner

⇒ $23°30'$ ($23\frac{1}{2}$) उत्तरी अक्षांश

→ कर्क रेखा
→ उत्तरी अयनांत

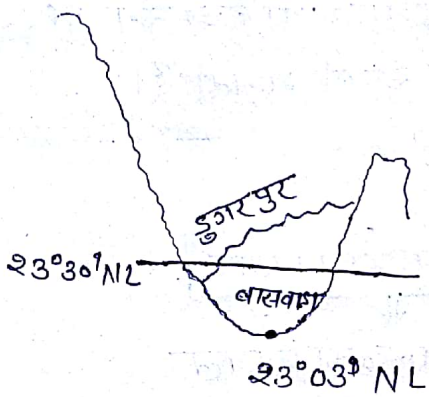

21 जून (कर्क संक्रांति)
सूर्य सीधा रहता है।
सबसे बड़ा दिन → 23घ०27मी०

21 जून :-

→ उत्तरी गोलार्द्ध का सबसे बड़ा दिन
→ कर्क संक्रांति दिवस
→ 2015 से अंतराष्ट्रीय योग दिवस

Note: अक्षांश रेखाओं को जलवायु रेखाएँ कहा जाता है।

(b) राज० का देशांतरीय विस्तार :-

देशान्तर :- 69°30' पूर्वी देशान्तर से 78°17' पूर्वी देशान्तर तक
स्थान :- कटरा — सिलाना
जिला :- जैसलमेर — धौलपुर
दूरी :- पश्चिम ← 869 → पूर्व

Note :- 8°47 देशान्तरों में राजस्थान का विस्तार पाया जाता है।
→ देशान्तर रेखाओं को समय एवं तिथी रेखा कहा जाता है।
1° देशान्तर = 4 मिनट
1' देशान्तर = 4 सैकण्ड
→ राज० में धौलपुर और जैसलमेर के मध्य समय का अंतराल 35 मिनट 0 सैकण्ड होता है।

gkexams.com

Scanned by CamScanner

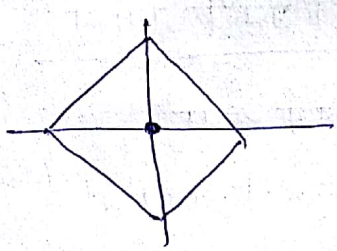

⇒ **मध्य गाँव (Mid Village) :-**
- → लापोलाई गाँव
- → जिला - नागौर
- → Note - वर्तमान में सैटेलाइट से गगराना गाँव को मध्य गाँव घोषित किया गया है लेकिन RPSC अभी भी लापोलाई को ही मानती है।

राजस्थान का विस्तार
↓
- (a) राज॰ का क्षेत्रफल
- (b) आकृति
- (c) विस्तार

(a) राजस्थान का क्षेत्रफल :-

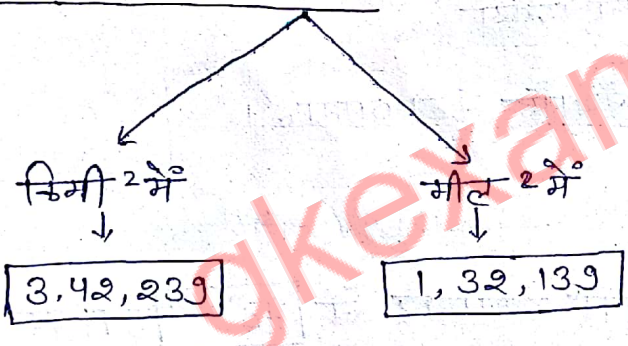

- किमी^{2} में → 3,42,239
- मील^2 में → 1,32,139

gkexams.com

Note :- → राज॰ का क्षेत्रफल देश का कुल क्षेत्रफल का 10.41% है।
→ क्षेत्रफल के अनुसार राजस्थान का स्थान → प्रथम
1 नवम्बर 2000 से (छत्तीसगढ़ से पहले)

⇒ क्षेत्रफल के अनुसार **राजस्थान में**

बड़े जिले (JBBJ)	छोटे जिले (DDDP)
1. जैसलमेर (38401 km^2)	1. धौलपुर (3034 km^2)
2. बीकानेर	2. दौसा
3. बाड़मेर	3. डुंगरपुर
4. जोधपुर	4. प्रतापगढ़

Scanned by CamScanner

राज॰ का क्षेत्रफल :- 3,42,239

→ जैसलमेर - 38,401 → 11.22 %

→ धौलपुर - 3034 → 0.89 %

→ 10% से अधिक क्षेत्रफल वाला एकमात्र जिला - जैसलमेर

→ 1% से कम क्षेत्रफल वाला एकमात्र जिला - धौलपुर

⇒ जैसलमेर, धौलपुर से 12.69 गुणा अधिक है

→ राज॰ का क्षेत्रफल विश्व के कुल क्षेत्रफल का 0.22 % है

प्रमुख देश	राजस्थान
जर्मनी	→ बराबर
जापान	→ बराबर
ब्रिटेन	→ 2 गुणा
श्रीलंका	→ 7 गुणा
इजरायल	→ 17 गुणा

(6) राजस्थान की आकृति :-

Rombus / रोम्बस by T. H. हैण्डले

or

विषम कोणीय चतुर्भुज

or

पतंगाकार

gkexams.com

Scanned by CamScanner

③ राजस्थान की सीमायें :-

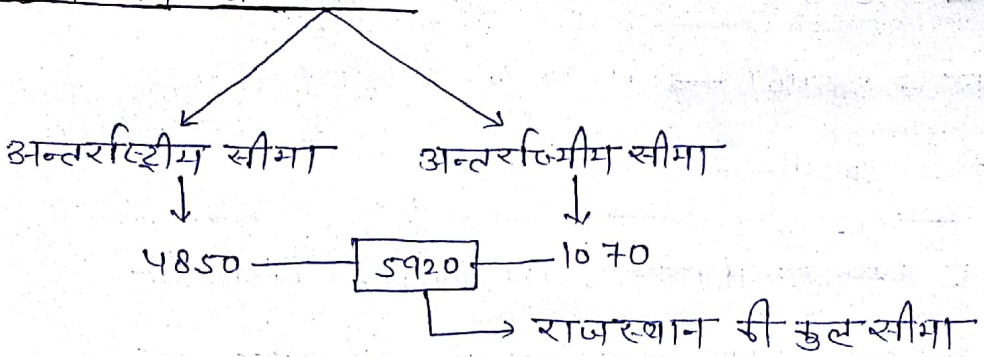

(1) अन्तर्राष्ट्रीय सीमा :-

→ नाम - सर सिरिल रेडक्लिफ
→ निर्धारित तिथी - 17 Aug 1947
→ राज० की कुल सीमा का % → 18 %
→ शुरुआत → हिन्दुमल कोट (गंगानगर)
→ अंत → शाहगढ़ (बाड़मेर)
→ पाकिस्तान के दो राज्य - सिंध, पंजाब

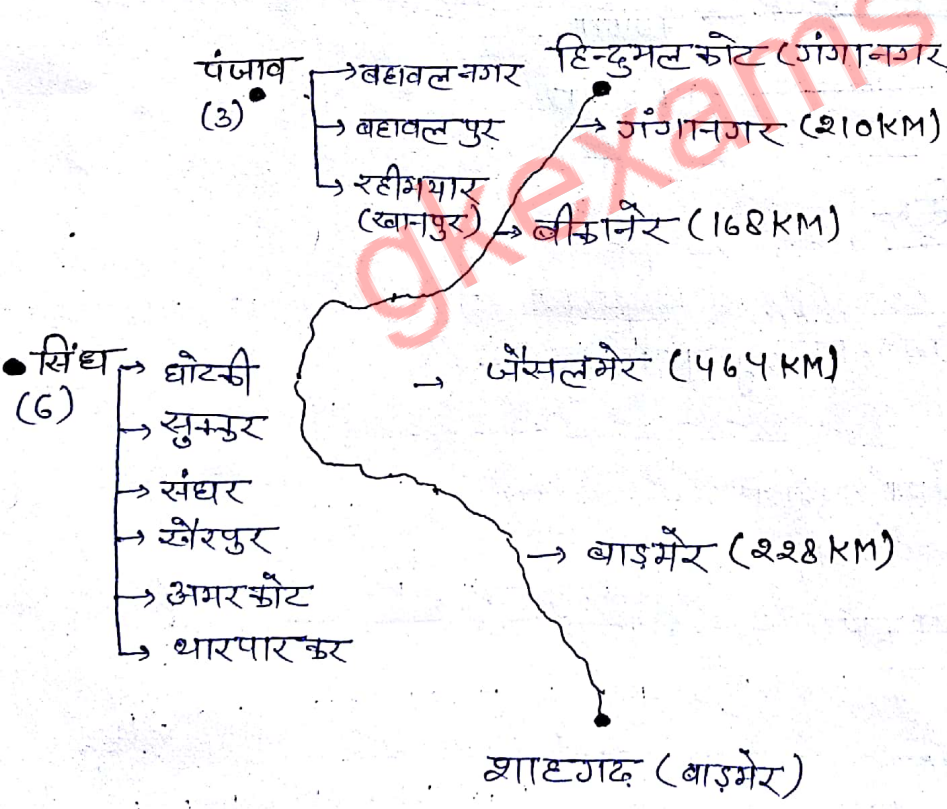

Note :- गंगानगर → अन्तर्राष्ट्रीय सीमा रेखा पर निकटतम जिला मुख्यालय
बीकानेर → अन्तर्राष्ट्रीय सीमा रेखा पर सर्वाधिक दूर जिला मुख्यालय
धौलपुर → अन्तर्राष्ट्रीय सीमा रेखा से सर्वाधिक दूर जिला मुख्यालय

gkexams.com

Scanned by CamScanner

(11) अन्तर्राज्यीय सीमा :-

पड़ोसी राज्य

- MP – 1600 KM
- हरियाणा – 1262 KM
- गुजरात – 1022 KM
- UP – 877 KM
- पंजाब – 89

gkexams.com

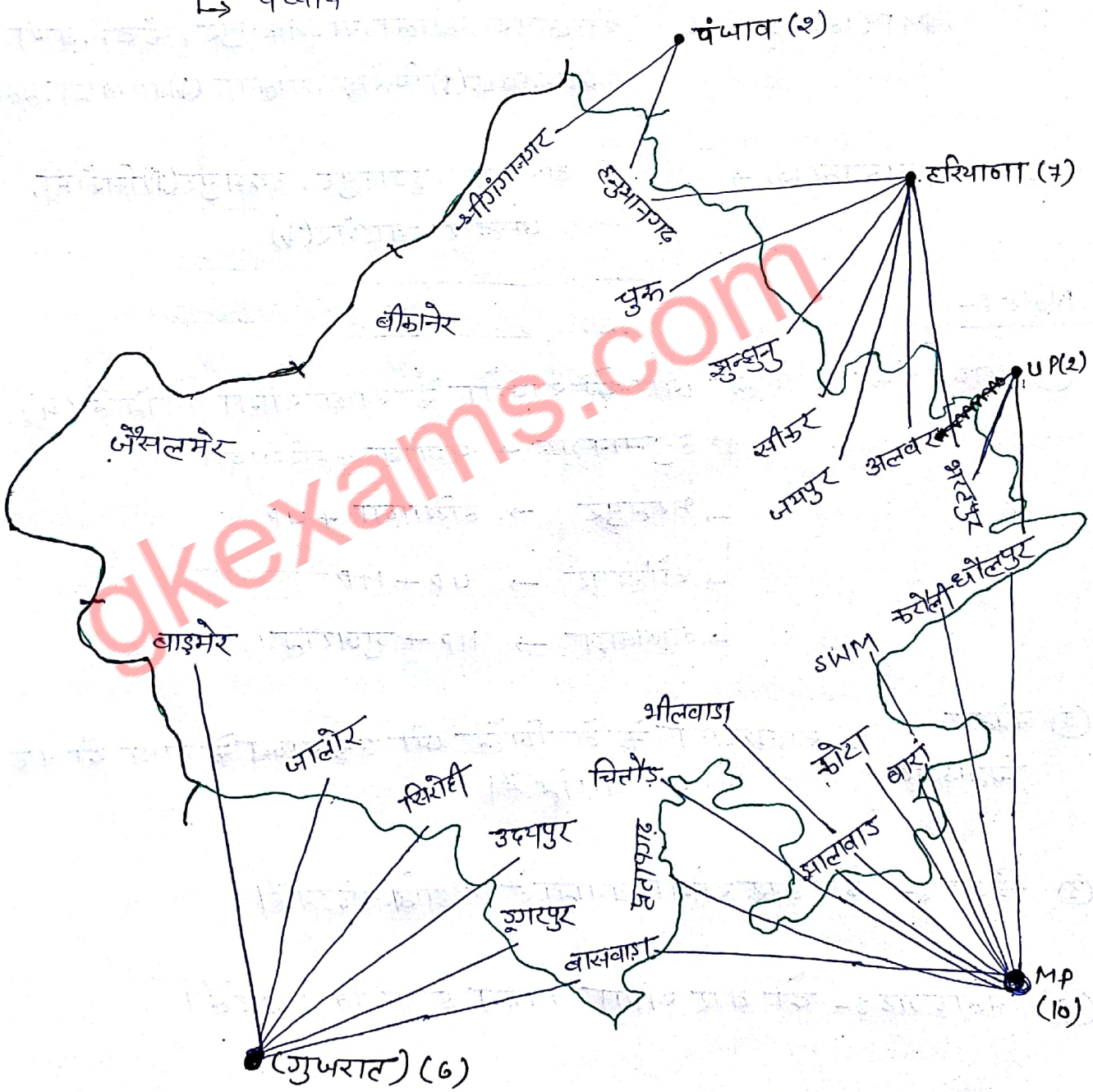

Scanned by CamScanner

राज्य	राजस्थान के जिले
(1) पंजाब (2) →	श्रीगंगानगर (↓) हनुमानगढ़ (↑)
(2) हरियाणा (7) →	हनुमानगढ़ (↑) चुरू, झुन्झुनु, सीकर, जयपुर (↓) अलवर, भरतपुर
(3) UP (2) →	भरतपुर (↑) धौलपुर (↓)
(4) MP (10) →	धौलपुर, करौली, सवाईमाधोपुर, कोटा, बारां झालावाड़ (↑) चित्तौड़, भीलवाड़ा (↓) बांसवाड़ा, प्रतापगढ़
(5) गुजरात (10) →	बांसवाड़ा, डूंगरपुर, उदयपुर (↑) सिरोही, जालौर, बाड़मेर (↓)

Note:-

(1) राज्य के वे जिले जो दो राज्यों के साथ सीमा बनाते हैं (4)

- हनुमानगढ़ → पंजाब + हरियाणा
- भरतपुर → हरियाणा + UP
- धौलपुर → UP + MP
- बांसवाड़ा → MP + गुजरात

(2) कोटा, चित्तौड़गढ़ → राजस्थान के वे जिले जो एक राज्य के साथ दो बार सीमा बनाते हैं।

(3) कोटा :- दो बार सीमा बनाता है व अविखण्डित है।

(4) चित्तौड़गढ़ :- दो बार सीमा बनाता है व विखण्डित है।

(5) भीलवाड़ा :- चित्तौड़गढ़ को दो भागों में बांटता है।

gkexams.com

Scanned by CamScanner

⑥ अन्तर्राज्यीय सीमा पर → सर्वाधिक सीमा → झालावाड़
→ न्यूनतम सीमा → बाड़मेर

⑦ राज० के सीमावर्ती जिले → 25 जिले
→ 23 अन्तर्राज्यी सीमा पर
→ 4 अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर
→ अन्तर्राष्ट्रीय + अन्तर्राज्यीय सीमा पर
→ श्रीगंगानगर (पाक + पंजाब)
→ बाड़मेर (पाक + गुजरात)

⑧ अन्तःस्थलीय जिले :- 8 जिले

→ इनकी सीमा किसी भी राज्य या देश को नहीं छूती
→ जोधपुर, बूंदी, टोंक, अजमेर, नागौर, पाली, राजसमंद, दौसा

→ अजमेर → चित्तौड़ के अलावा दूसरा विखण्डित जिला

→ राजसमंद → अजमेर को दो भागों में बांटता है।

→ पाली → सर्वाधिक जिलों के साथ सीमा बनाने वाला जिला [8]

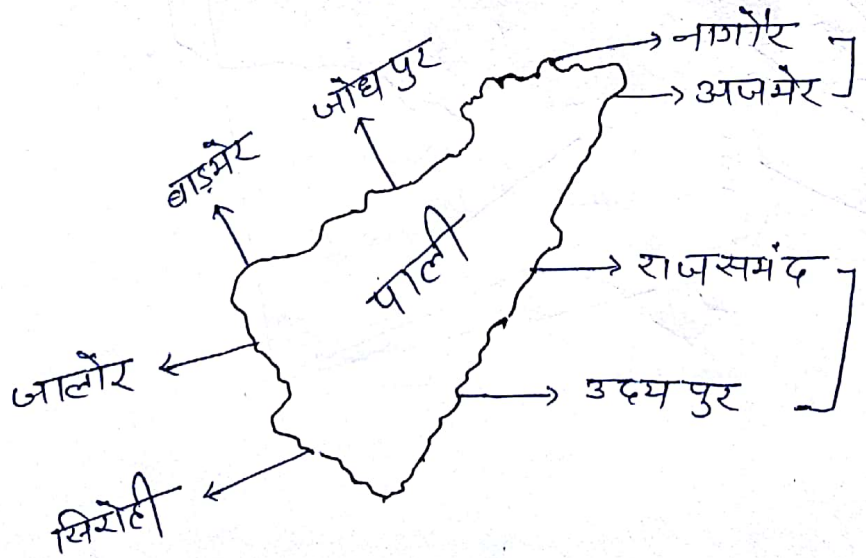

gkexams.com

Scanned by CamScanner

⇒ सीमावर्ती विवाद :-

→ **मानगढ़ पहाड़ी** → यह बांसवाड़ा में स्थित है जो राजस्थान व गुजरात के मध्य विवादित है। 2018-19 बजट में इसके विकास के लिये **7 करोड़ रु** का प्रस्ताव रखा है।

gkexams.com

Scanned by CamScanner

3. राज० के भौतिक प्रदेश

→ उच्चावच व जलवायु के आधार पर राजस्थान को चार भौतिक प्रदेशो में बांटा गया है।

(1) मरुस्थल
(2) अरावली
(3) पूर्वी मैदान
(4) हाड़ौती

⇒ भौतिक प्रदेशो की सामान्य जानकारी :-

	मरुस्थल	अरावली	पूर्वी मैदान	हाड़ौती
क्षेत्रफल	61.11%	9 %	23 %	6.89%
जनसंख्या	40 %	10 %	39 %	11 %
जिले	12	13 (मुख्यत 7*)	10	7
मिट्टी	बलुई / रेतिली	पर्वतीय / वनीय मिट्टी	जलोढ़ / दोमट	काली / रेगुर मिट्टी
जलवायु	शुष्क व अर्द्धशुष्क	उपआर्द्र	आर्द्र	अतिआर्द्र

gkexams.com

Scanned by CamScanner

① उत्तरी पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेश :-

ⓐ निर्माण काल :- टर्शियरी एवं प्लीस्टोसीन

ⓑ विस्तार :-

- कुल लम्बाई → 640 KM
- चौड़ाई → 300 KM
- औसत ऊंचाई → 200-300 M (समुद्र तल से)

ⓒ ढाल :-

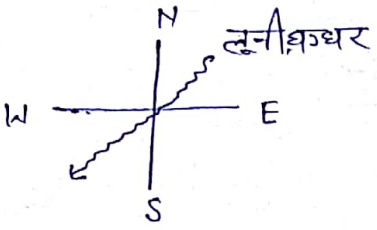

⇒ उत्तर पूर्व से दक्षिण पश्चिम

ⓓ मरुस्थल का अध्ययन :-

→ मरुस्थल को अध्ययन की दृष्टि से दो भागों में बांटा गया है।

दो भाग
- (i) शुष्क मरु० → 0-25 cm वर्षा
- (ii) अर्द्ध शुष्क मरु० → 25-50 cm वर्षा (या बांगड़ प्रदेश)

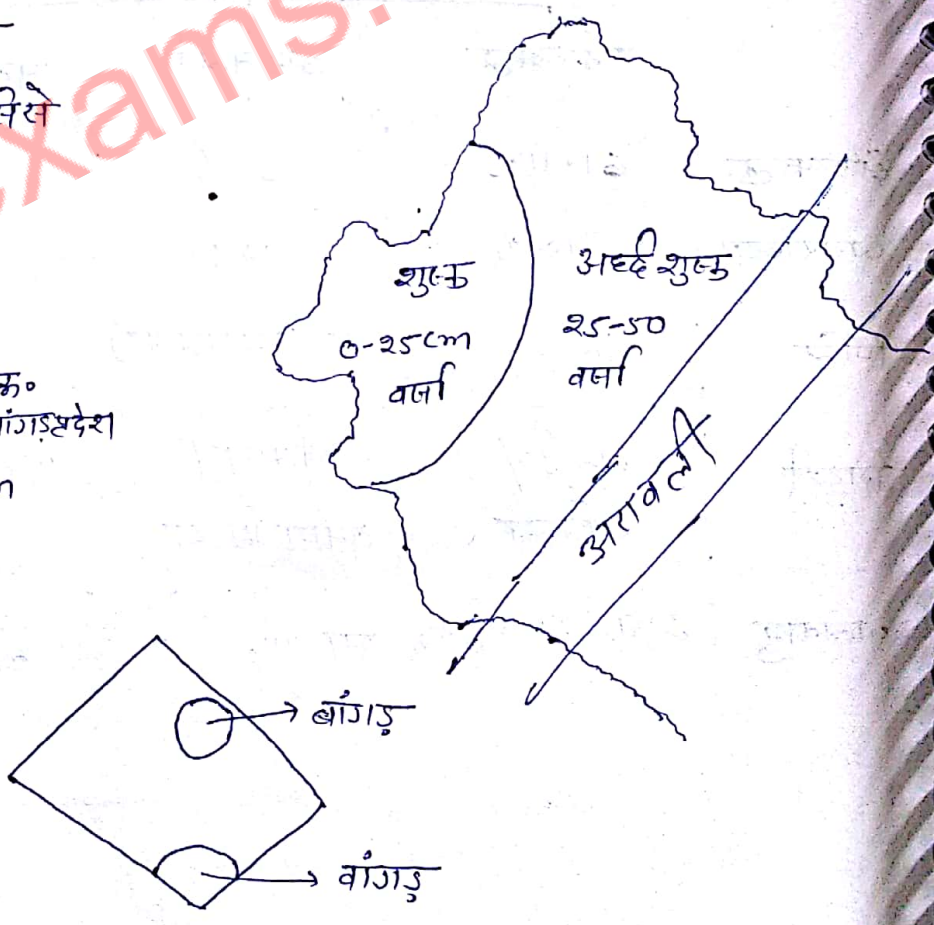

gkExams.com

Scanned by CamScanner

① शुष्क मरुस्थल :-

→ 0-25 Cm वर्षा

→ शुष्क मरुस्थल को पुनः दो भागों में बांटा गया है।

① बालुका स्तुप मुक्त
- → कारण - पथरीला मरु०
- → जिसे हमादा कहा जाता है।
- → विस्तार
  - ① जैसलमेर (सर्वाधिक) → रामगढ़, → लौद्रवा, → पोकरण
  - ② बाड़मेर
  - ③ जोधपुर

② बालुका स्तुप युक्त
- → पवन के द्वारा मिट्टी का निक्षेपण होता है उसे बालुका स्तुप कहते है।

⇒ बालुका स्तुप युक्त प्रदेश :-

बालुका स्तुपो के प्रकार :-

① बरखान :-   → अर्द्ध चन्द्राकार → शेखावाटी क्षेत्र में

② अनुप्रस्थ :-   → समकोण → जोधपुर, बाड़मेर में

③ अनुदैर्ध्य :-   → समानांतर → जैसलमेर
- → रेखीय बालुका स्तुप

④ हमादा :-

→ तारानुमा बालुका स्तूप → सर्वाधिक → जैसलमेर, → सूरतगढ़
- → हमादा के चारो ओर पाये जाने वाले बालुका स्तूप को तारानुमा बालुका स्तूप कहा जाता है।

gkexams.com

Scanned by CamScanner

⑤ पैराबोलिक बालुका स्तूप :-

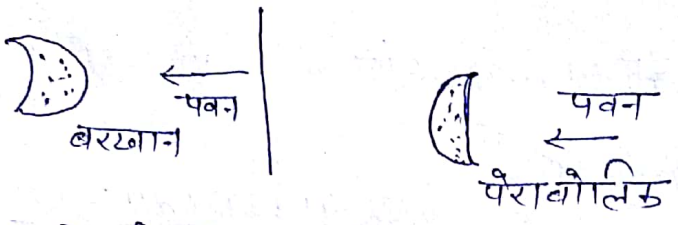

→ बरखान के विपरित या हेयर पिन जैसा बालुका स्तुप को पैराबोलिक बालुका स्तुप कहते हैं।

*** → इस प्रकार के बालुका स्तूप राजस्थान में सर्वाधिक है।

⑥ सीप बालुका स्तूप :-

→ बरखान के निर्माण में जब पवन की दिशा में परिवर्तन होता है तो बरखान की भुजा आगे की ओर बढ़ जाती है। जिसे सीप कहा जाता है।

Note :-

① सर्वाधिक बालुका स्तूप → जैसलमेर

② सभी प्रकार के बालुका स्तूप → जोधपुर

③ मरुस्थलीकरण में सर्वाधिक योगदान बरखान बालुका स्तूपों का होता है क्योंकि ये सर्वाधिक गतिशील होते हैं।

④ बरखान = अनुप्रस्थ
सीप = अनुदैर्ध्य/रेखीय

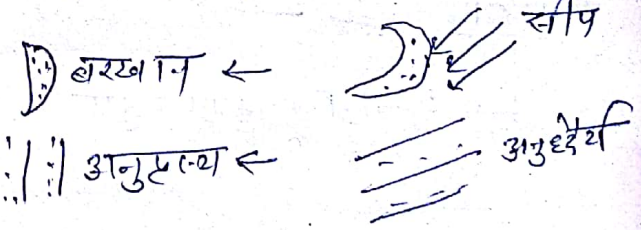

⑤ सबसे अधिक बालुका स्तूप → पैराबोलिक बालुका स्तूप

gkexams.com

Scanned by CamScanner

(ii) अर्द्धशुष्क मरुस्थल / बांगड़ प्रदेश :-

↓

25 - 50 सेमी वर्षा

→ अर्द्धशुष्क मरुस्थल को पुनः चार भागों में बांटा गया है।

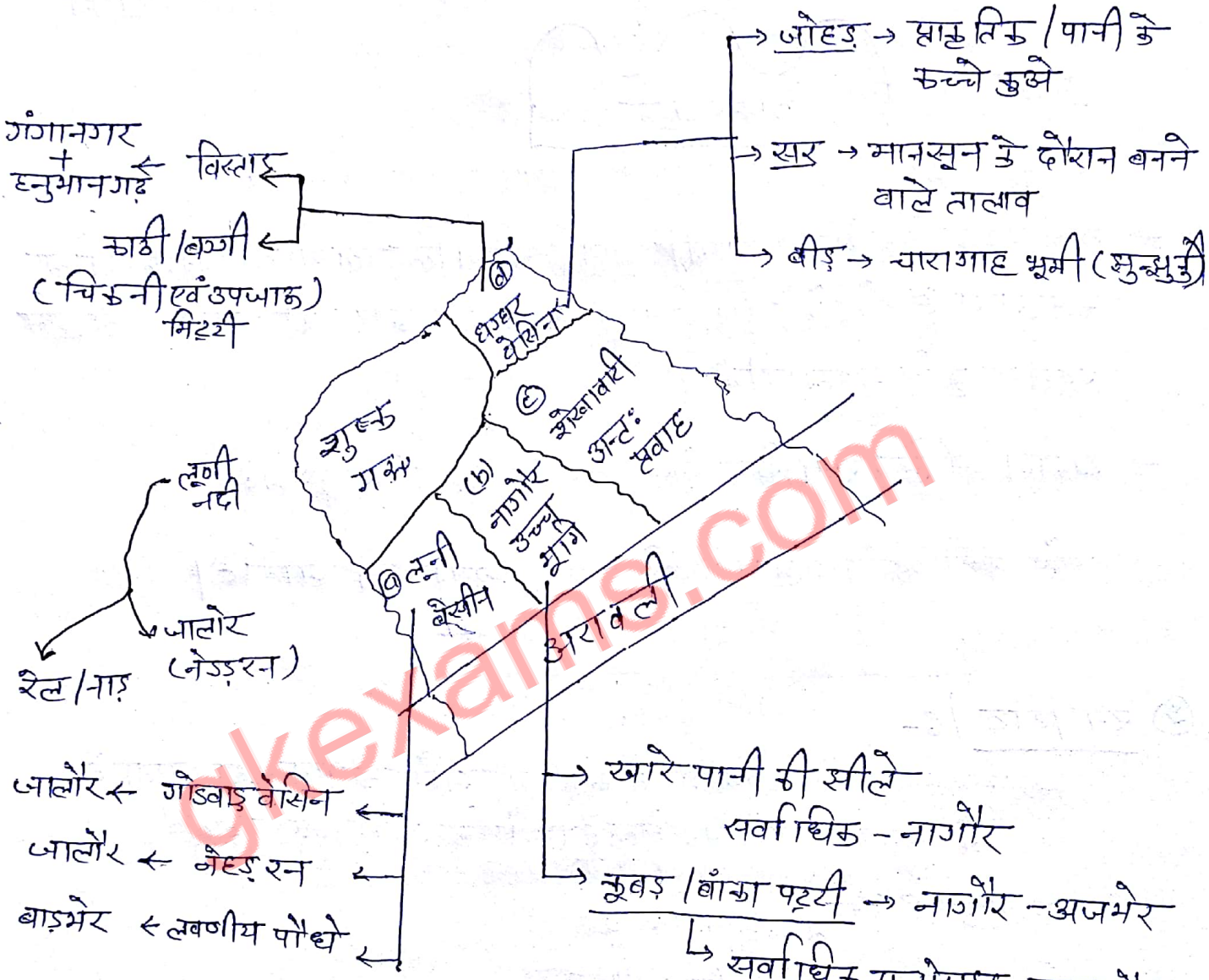

gkexams.com

Scanned by CamScanner

⇒ मरुस्थल सम्बन्धित अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु :-

(1) खड़ीन / प्लाया झीले :-

प्लाया / खड़ीन → पालीवाल ब्राह्मणों द्वारा की जाने वाले कृषि → खड़ीन

↑

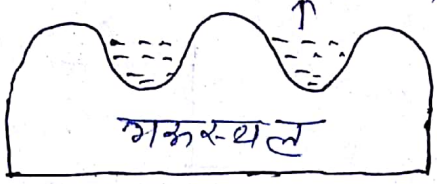

अस्थायी पानी की झीले

→ मरुस्थील क्षेत्र में अस्थायी पानी की झीले प्लाया या खड़ीन झील कहलाता है जिनमे पालीवाल ब्राह्मणों द्वारा की जाने वाले कृषि खड़ीन कृषि कहलाती है।

→ खड़ीन झीले सर्वाधिक जैसलमेर के उत्तर में स्थित है।

→ इनमे रबी की फसल (सरसो, गेहूँ, चना) की जाती है।

gkexams.com

(2) रन / टाट / :-

→ मरुस्थल में लवणीय व दलदली झीलो को रन कहा जाता है। जो कम उपजाऊ क्षेत्र होता है। क्योंकि इसमे लवण होते है।

→ प्रमुख रन :-

- तालछापर – चुरू
- परिहारी – चुरू
- फलौदी – जोधपुर
- बाप – जोधपुर
- थोबू – बाड़मेर
- भाकरी – जैसलमेर
- पोकरण – 1974 (18 मई) → बुद्धा स्माइल
  1998 (11, 13 मई)

Scanned by CamScanner

③ जल पट्टी :-

→ जल पट्टी सरस्वती नदी का भूमिगत अवशेष है।

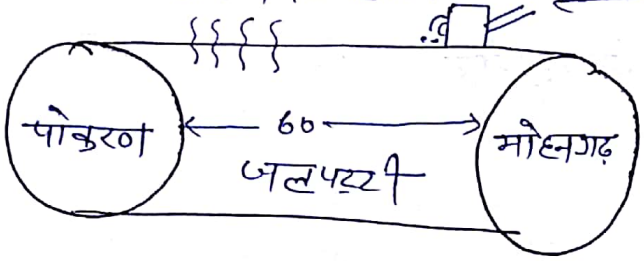

→ जल पट्टी क्षेत्र को लाठी सीरीज कहा जाता है।

④ आकल बुड फॉसिल पार्क :-

आकल → गाँव; बुड → लकड़ी / काष्ठ; फॉसिल पार्क → जीवाश्म उद्यान

→ यह जैसलमेर में स्थित है।

→ समय जुरासिक काल

→ विश्व में प्राचीनतम लकड़ी के अवशेष

gkexams.com

⑤ नखलिस्तान / मरुउद्यान / Oasis :-

→ मरुस्थलीय क्षेत्र में जहाँ जल बेसिन पाये जाते हैं उसके चारों ओर हरियाली विकसित हो जाती है जिसे नखलिस्तान कहते हैं।

⑥ धरियन :- गतिशील / स्थानांतरित बालुका स्तूप

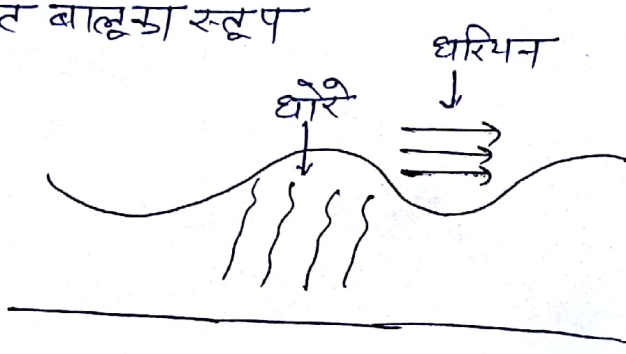

⑦ धोरे :- लहरदार बालुका स्तूप

Scanned by CamScanner

⑧ पीवणा :-

- क्या → सांप की प्रजाति
- रंग → पीला
- सर्वाधिक → जैसलमेर

⑨ मरुस्थल मार्च :-

- क्या → मरुस्थलीकरण → मरुस्थल का बढ़ना
- दिशा → द०पू० से उ०पू०
- सर्वाधिक → हरियाणा
- सर्वाधिक योगदान बरखान का

⑩ ग्रेट डेजर्ट ऑफ इण्डिया / थार प्रदेश :-

→ विस्तार → भारत (85%) + पाकिस्तान (15%)

* भारत
  - राजस्थान → 62%
  - हरियाणा
  - गुजरात
  - पंजाब

gkexams.com

Scanned by CamScanner

2. अरावली पर्वतमाला

→ निर्माण काल - प्री कैम्ब्रियन काल
→ अप्लेशियन पर्वतमाला के समकालीन

विस्तार

- कुल लम्बाई → (692 km)
- राज० में लम्बाई → (550 km or 80%)
- औसत ऊंचाई → (930 मी०)

Note :- अरावली एक
→ वलित पर्वतमाला (निर्माण प्रक्रिया)
→ प्राचीनतम पर्वतमाला (समयानुसार)
→ अवशिष्ट पर्वतमाला (वर्तमान में)

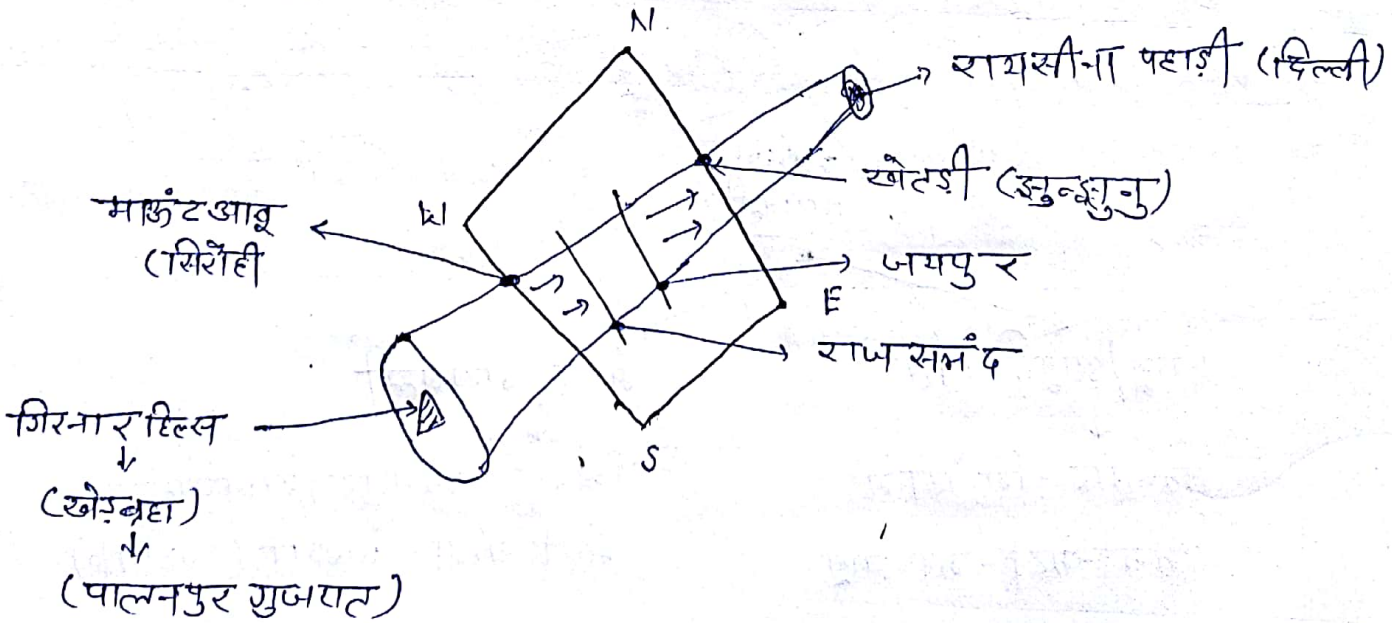

gkexams.com

⇒ अरावली की दिशा :-

➔ अरावली का अध्ययन :-

→ अध्ययन की दृष्टि से अरावली को तीन भागों में बांटा गया है।

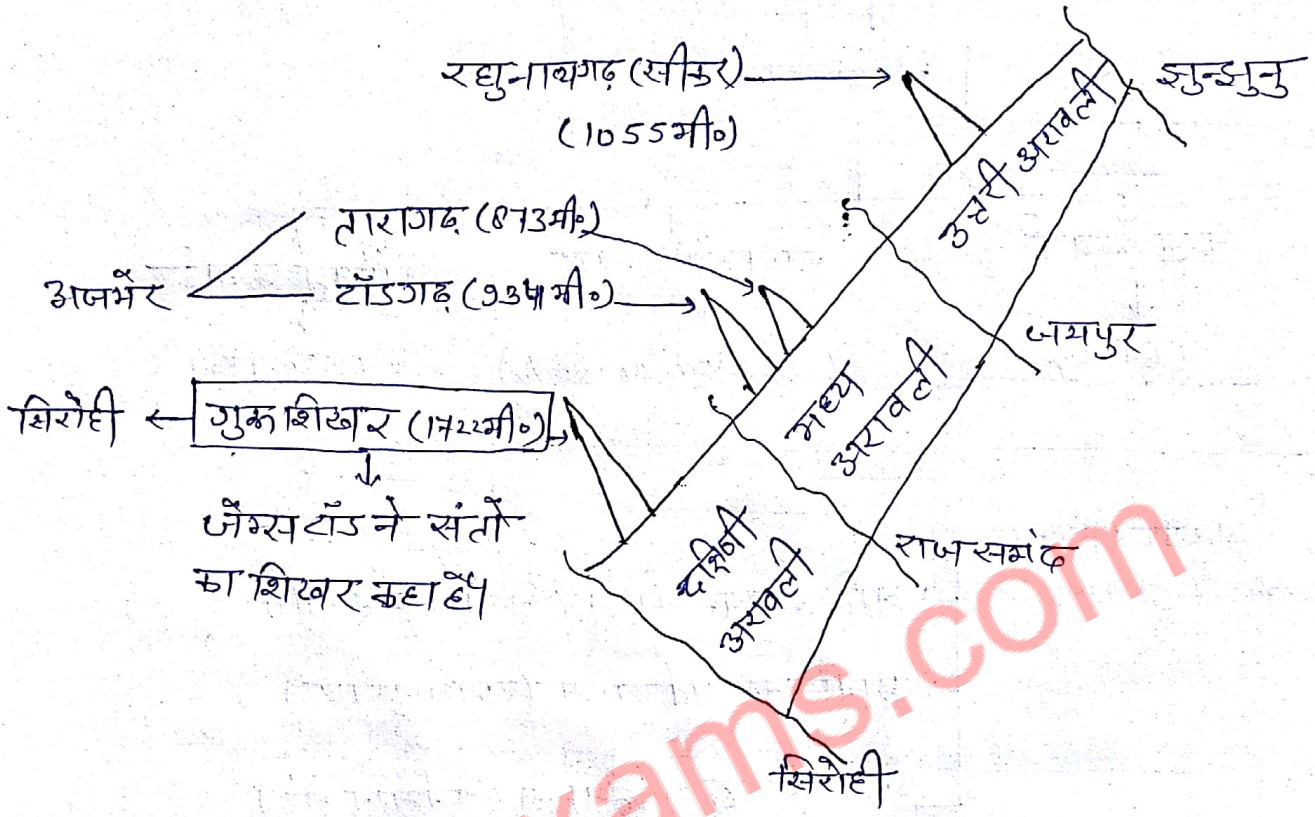

gkexams.com

Note :- दक्षिणी अरावली को दो भागों में बांटा गया है।

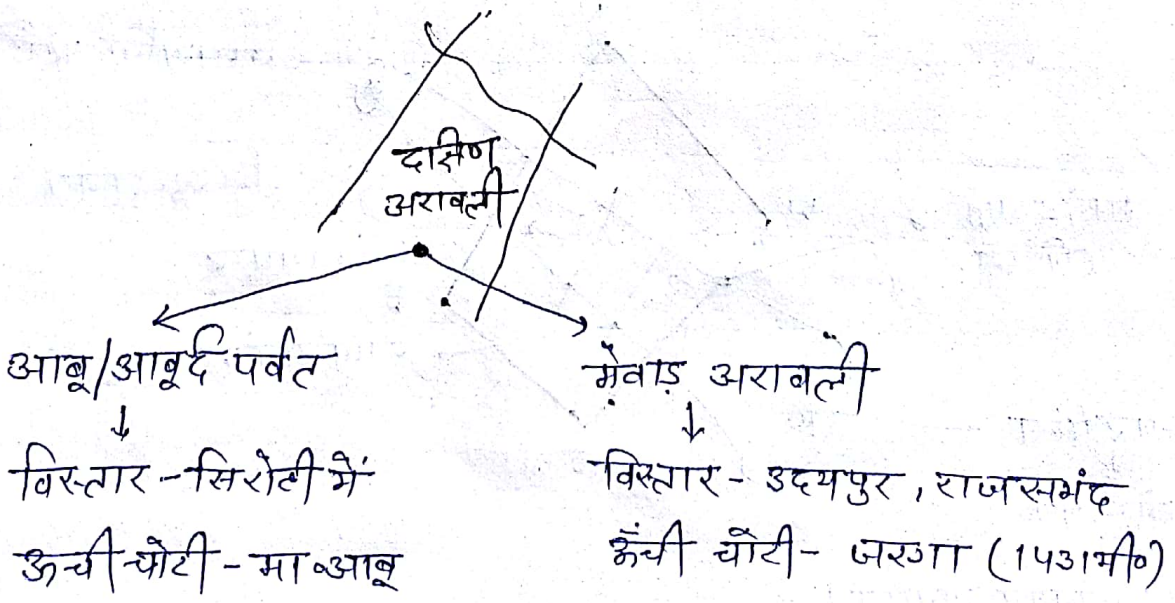

Scanned by CamScanner

⇒ अरावली की सर्वोच्च चोटियाँ :-

Trick	चोटी	स्थान	ऊँचाई (मीटर में)
(1) गुरु →	गुरुशिखर →	सिरोही →	1722
(2) से →	सेर →	सिरोही →	1597
(3) दिल से →	देलवाड़ा →	सिरोही →	1442
(4) जरा →	जरगा →	उदयपुर →	1431
(5) आस →	अचलगढ़ →	सिरोही →	1380
(6) कुम्भा →	कुम्भलगढ़ →	राजसमंद →	1224
(7) रघुनाथगढ़ →	रघुनाथ गढ़ →	सीकर →	1055
(8) ऋचाजि →	ऋषिकेश →	सीरोही →	1017
(9) का →	कमलनाथ →	उदयपुर →	1001
(10) सज्जन →	सज्जनगढ़ →	उदयपुर →	938
(11) मोर →	मोरमजी / टॉडगढ़ →	अजमेर →	934
(12) खो में →	खो →	जयपुर →	920
(13) सा →	साथरा →	उदयपुर →	900
(14) त →	तारागढ़ →	अजमेर →	873
(15) बोली →	बिलाली →	अलवर →	775
(16) रोज →	रोजा भाकर →	जालौर →	730

बोले

gkexams.com

Scanned by CamScanner

⇒ अरावली के दर्रे/नाल :-

→ पर्वतों के बीच में नीचा और तंग रास्ता जो दोनों ओर के स्थानों को जोड़ता है।

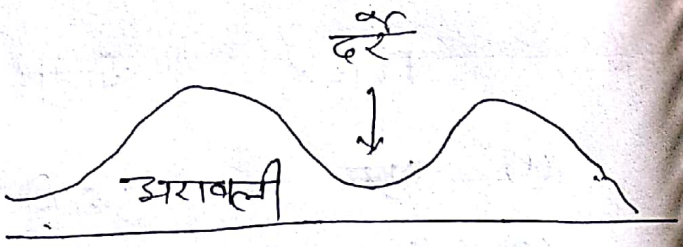

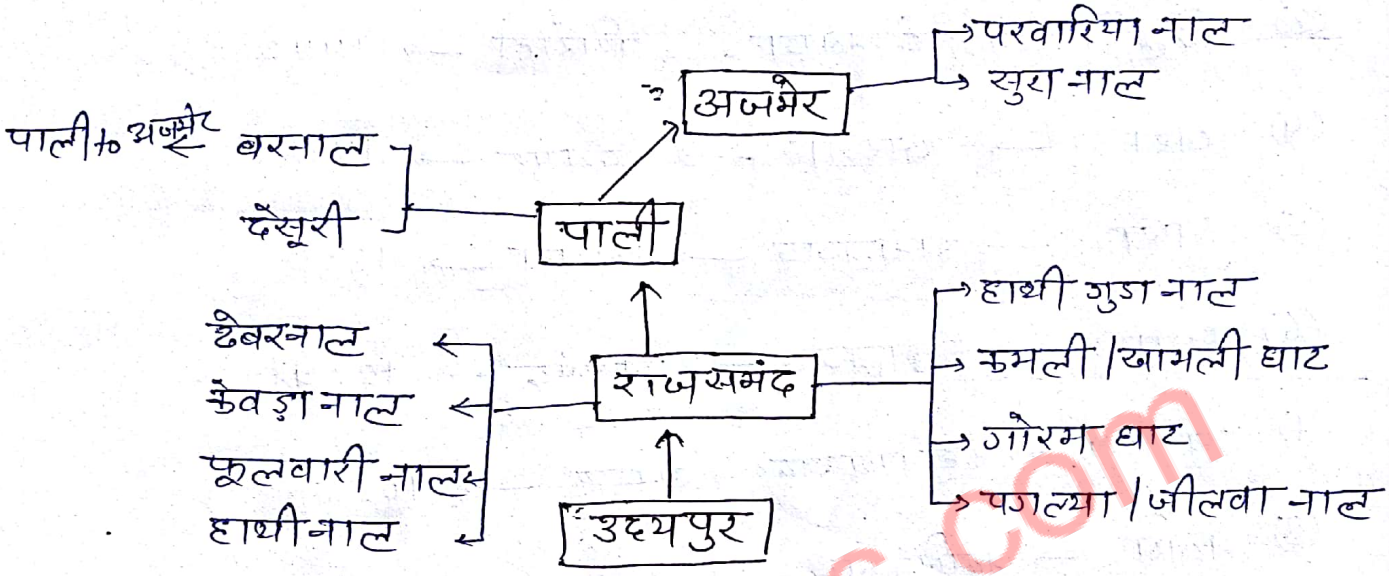

- अजमेर
  - परवारिया नाल
  - सुरा नाल
- पाली / अजमेर
  - बरनाल
  - देसूरी
- राजसमंद (उदयपुर)
  - देबरनाल
  - केवड़ा नाल
  - फूलवारी नाल
  - हाथीनाल
  - हाथी गुडा नाल
  - कमली / खामली घाट
  - गोरम घाट
  - पगल्या / जीलवा नाल

→ देसूरी नाल पाली को चारभुजा नाथ (राजसमंद) से जोड़ती है।

→ अरावली में सर्वाधिक नाल राजसमंद जिले में है।

⇒ अरावली का महत्व :-

→ मरुस्थलीकरण को रोकना

→ जैव विविधता सर्वाधिक क्योंकि वनस्पति पाई जाती है।

→ अरावली को राज० की जल विभाजक रेखा कहा जाता है क्योंकि यह बंगाल की खाड़ी और अरब सागर की नदियों को अलग करती है।

→ सर्वाधिक धात्विक खनिज पाये जाते हैं क्योंकि अरावली का निर्माण धारवाड़ क्रम की चट्टानों से हुआ है।

→ राजस्थान में ~~अधि~~ अधिकांशतः नदियों का उद्गम अरावली से होता है।

gkexams.com

Scanned by CamScanner

⇒ राजस्थान की अन्य पहाड़ियाँ :-

- → भाकर → सिरोही
- → पहाड़ी का नाम + भाकर → जालौर
- → पहाड़ी का नाम + मगरा / मगरी → उदयपुर
- → पहाड़ी का नाम + डूँगर / डूँगरी → जयपुर

gkexams.com

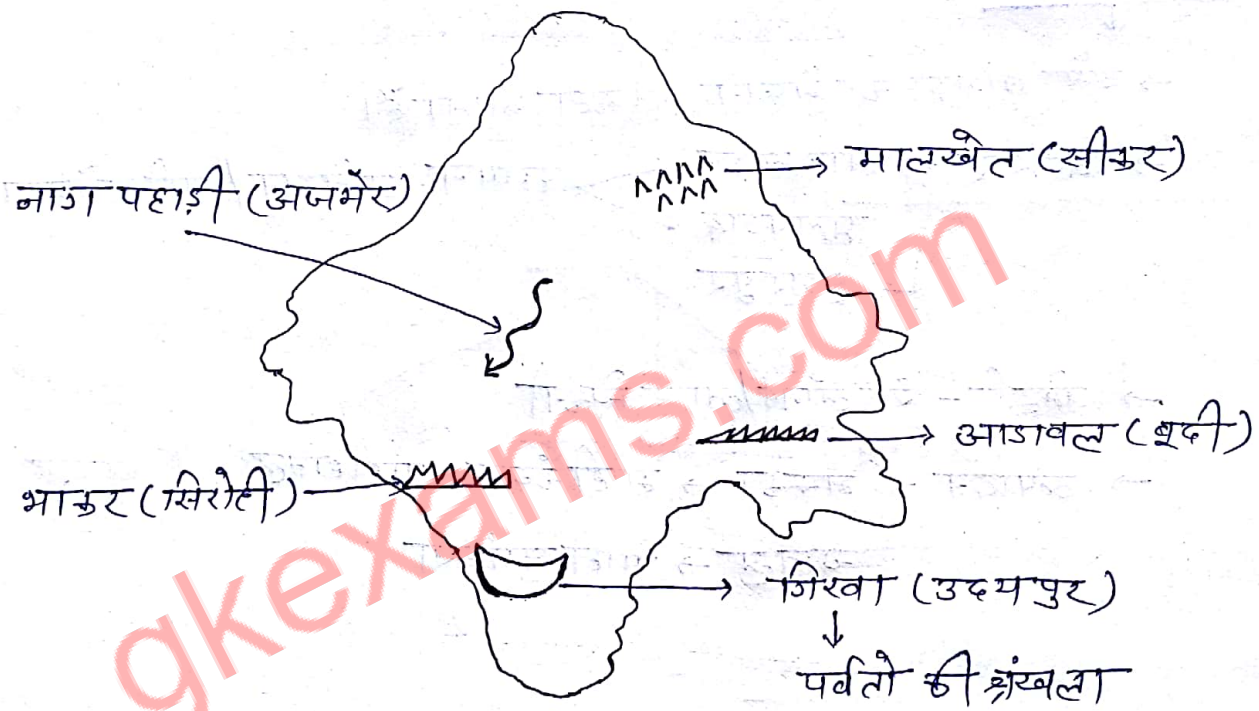

Scanned by CamScanner

3. पूर्वी मैदानी भाग

→ नदियों के द्वारा जमा की गई जलोढ़ मिट्टी द्वारा

→ अध्ययन → तीन भागों में बांटा जाता है

- माही का मैदान
- बनास/बाणगंगा का मैदान
- चम्बल का मैदान

(1) माही का मैदान :-

→ इसे बांगड़ का मैदान भी कहा जाता है।

→ विस्तार → बांसवाड़ा, प्रतापगढ़ → छप्पन का मैदान/भाटी का मैदान
→ डूंगरपुर

→ मिट्टी - रेड लॉमी/लाल चिकनी

→ उत्पादन → मक्का → माही कंचन, माही धवल
चावल → माही सुगंधरा

(2) बनास व बाणगंगा का मैदान :-

(i) बनास का मैदान

दक्षिणी मैदान
↓
मेवाड़ का मैदान

RCB
→ राजसमंद
→ भीलवाड़ा
→ चित्तौड़

उत्तरी मैदान
↓
मालपुरा - करौली

ATSM
→ अजमेर
→ टोंक
→ स० माधोपुर

gkexams.com

Scanned by CamScanner

→ इस मैदान में भूरी मिट्टी पाई जाती है।

(11) बाण गंगा का मैदान :- अर्जुन की गंगा

→ विस्तार → जयपुर – दौसा – भरतपुर

→ मिट्टी → जलोढ़

(3) चम्बल का मैदान :-

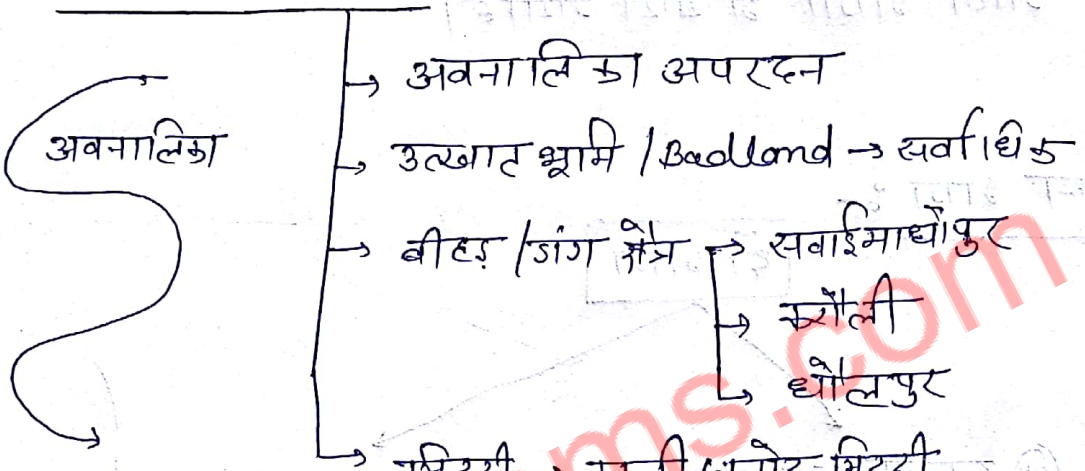

gkexams.com

Note :- दिशा के अनुसार राजस्थान के मैदान :-

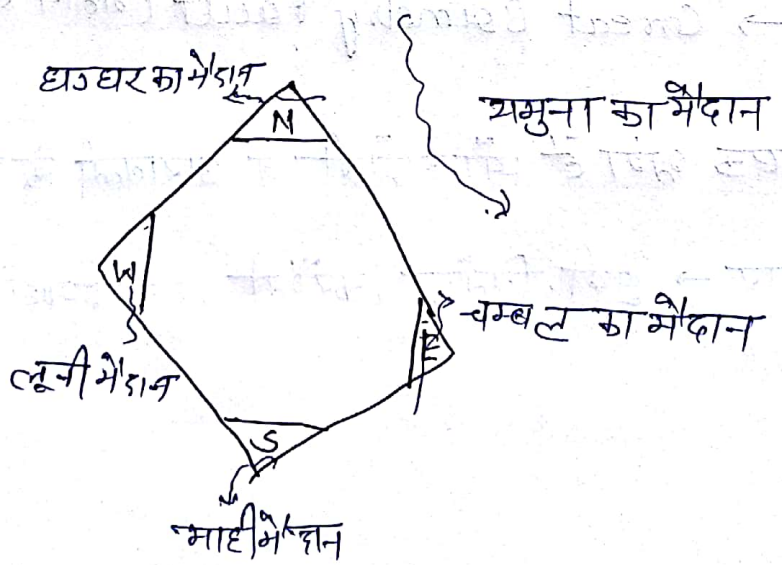

Scanned by CamScanner

④ **दक्षिणी पूर्वी पठारी क्षेत्र / हाड़ौती**

निर्माण :- हाड़ौती का निर्माण दक्कन लावा / बेसाल्ट लावा से हुआ

मिट्टी :- काली मिट्टी / कपासी मिट्टी

अध्ययन :- अध्ययन की दृष्टि से दो मुख्य भाग तथा तीन गौण भागों में बांटा गया है।

हाड़ौती के मुख्य भाग :-

दो भाग

Ⓐ दक्कन का लावा पठार

Ⓑ विन्ध्यन कगार

~~Ⓐ दक्कन का लावा पठार~~ :-

Note : GBF → Great Boundary Fault (महान सीमांत भ्रंश)

→ यह एक भ्रंश है जो हाड़ौती व अरावली के मध्य स्थित है।

→ विस्तार → बूंदी, चित्तौड़, करौली, सवाईमाधोपुर, धौलपुर

gkexams.com

Scanned by CamScanner

① दक्कन लावा पठार :-

→ विस्तार
- → मालव प्रदेश → प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़
- → उपरमाल → भीलवाड़ा — चित्तौड़गढ़
  - भीलवाड़ा ↓ बिजौलिया
  - चित्तौड़गढ़ ↓ भैंसरोड़गढ़

② विन्ध्यन कगार :-

→ विस्तार
- → हाड़ौती - कोटा, बूंदी, बांरा, झालावाड़
- → डांग - करौली, धौलपुर, सवाईमाधोपुर

Note:- विन्ध्यन कगार में पाई जाने वाली चट्टाने
- → सैंड स्टोन / बलुआ पत्थर (सर्वाधिक)
- → चूना पत्थर
- → रेड स्टोन
- → कोटा स्टोन
- → * हीरा (पन्ना से) → हीरा सर्वाधिक पन्ना (MP) से निकाला जाता है। विन्ध्यन कगार से।

⇒ हाड़ौती के गौण भाग :- तीन
- अर्द्धचन्द्राकार पहाड़ी
  - बूंदी हिल्स
  - मुकुंदरा हिल्स ↓ (कोटा, झालावाड़)
- शाहबाद उच्च भूमी ↓ बांरा ↓ → घोड़े के नाल जैसी पहाड़ी पाई जाती है।
- डग - गंगधर उच्च भूमि ↓ झालावाड़

gkexams.com

Scanned by CamScanner

→ राजस्थान के प्रमुख पठार :-

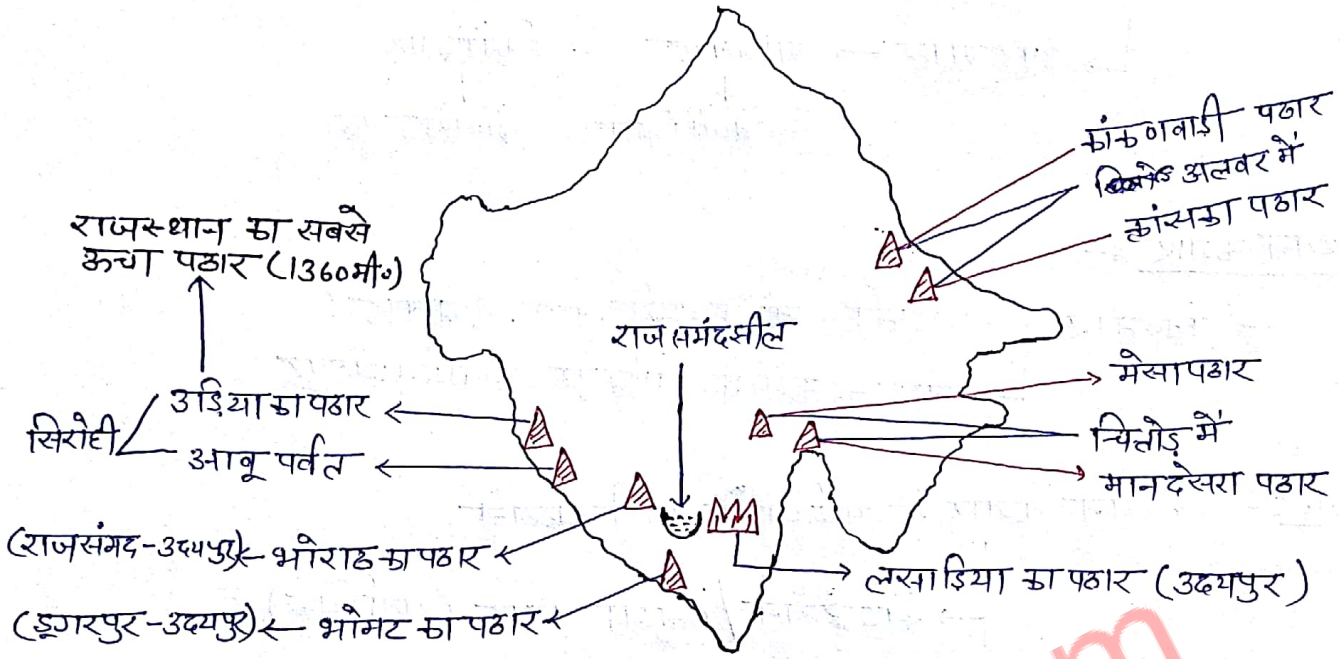

Note :-

① उड़िया → सबसे ऊँचा पठार राज० का (1360 मी०)

② भोराठ → उदयपुर की गोगुन्दा पहाड़ी व राजसमंद की कुम्भलगढ़ पहाड़ी के मध्य पठार
→ राज० का दूसरा सबसे ऊँचा पठार (1200 मी०)

③ लसाड़िया → उदयपुर में जयसमंद झील के पूर्व में स्थित पठार
→ यह उबड़-खाबड़ पठार है।

gkexams.com

Scanned by CamScanner